भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
13.12.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 2186 का उत्तर

ओशो के नाम पर जबलपुर और पुणे के बीच रेलगाड़ी

2186. श्री विवेक के. तन्खा:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि जबलपुर से सीधे पुणे जाने के लिए कोई रेलगाड़ी उपलब्ध नही है;

(ख) यदि हाँ, क्या इस तथ्य के मद्देनजर कि आचार्य रजनीश की आध्यात्मिक जागृति जबलपुर में हुई थी और उन्होंने अपने बाद के वर्षों में पुणे को अपना घर बना लिया था और इन दोनों शहरों के बीच सीधी रेलगाड़ी उपलब्ध नहीं होने के कारण उनके 4 लाख अनुयायियों के लिए इन दोनों शहरों के बीच आना-जाना अत्यंत कठिन हो जाता है, सरकार को आध्यात्मिक गुरु 'ओशो' के नाम पर जबलपुर से पुणे तक सीधी रेलगाड़ी चलाए जाने संबंधी मांग की जानकारी है;

(ग) यदि हाँ, तो इन दोनों शहरों को जोड़ने वाली सीधी रेलगाड़ी शुरू करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): इस समय, जबलपुर-पुणे खंड पर 05 जोड़ी मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का परिचालन किया जा रहा है। इसके अलावा, अतिरिक्त यात्री भीड़ को देखते हुए 03 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों द्वारा इस खंड को सेवित किया जा रहा है। इसके अलावा, भारतीय रेल पर रेलगाड़ी सेवाओं की शुरूआत सतत् प्रक्रिया है जो परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है। रेलगाड़ी सेवाओं का नामकरण भी सतत् प्रक्रिया है।

******

SK